भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध वभाग

लोक सभा
अतारांकत प्रश्न संख्या 247
दिनांक 04 फरवरी, 2020 को उत्तर दिए जाने के लए

पीएमबीजेपी का कार्यान्वयन

247. श्री श्रीनिवास दादासाहिब पाटीलः
कुमारी राम्या हरिदासः
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
डॉ. अमोल रामसंह कोल्हेः
श्री कुलदीप राय शर्माः
श्री डी. एन. वी. सेंथलकुमार एस.
श्रीमती सुप्रया सदानंद सुलेः
डॉ. सुभाष रामराव भामरेः

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क :

(क) सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही प्रधान मंत्री भारतीय जनऔष ध परियोजना (पीएमबीजेपी) की मुख्य वशेषता क्या है;
(ख) पीएमबीजेपी के कार्यान्वयन करने वाली नोडल एजेंसी कौन-सी है तथा पीएमबीजेपी का वत्तपोषण तंत्र क्या है;
(ग) पीएमबीजेपी के अंतर्गत कतनी दवाएं तथा सर्जिकल और उपभोज्य वस्तुएं शा मल हैं;
(घ) क्या सरकार ने परियोजना के कार्यान्वयन की प्र क्रया की निगरानी के लए कसी संचालन स मति की नियुक्ति की है तथा इस संबंध में कतना लक्ष्य प्राप्त कया गया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या परिणाम रहे हैं;
(ङ) सरकार द्वारा पीएमबीजेपी के अंतर्गत सभी च कत्सा संबंधी समूहों को शा मल करते हुए सभी जेनरिक दवाओं को उपलब्ध कराने से लेकर सम्पूर्ण स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों और सेवाएं प्रदान करने के लए क्या अन्य कदम उठाए गए हैं;
(च) क्या यह सच है क पीएमबीजेपी भेषज कंपनियों को आक र्षत करने में वफल रही है तथा एक सी मत सफलता प्राप्त कर पाई है; और
(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं तथा देश में पीएमबीजेपी के कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं के समाधान के लए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक मंत्री (श्री डी.वी सदानंद गौड़ा)

(क): प्रधानमंत्री भारतीय जनऔष ध परियोजना के तहत, देश भर में जनऔष ध केंद्र नामक वशेष आउटलेट बनाए जा रहे हैं, ता क आम लोगों के लए वहनीय कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जा

सकें। यह योजना सरकारी एजें सयों के साथ-साथ निजी उद्य मयों द्वारा भी संचा लत की जाती है। इस योजना के तहत, सरकार निम्न ल खत तरीकों से परिचालन एजें सयों को वत्तीय सहायता प्रदान कर रही है:

- सरकारी अस्पताल परिसर में जनऔष ध केंद्र की स्थापना करने वाले कसी भी व्यक्ति को 2.50 लाख रुपये की रा श प्रदान की जाती है, जहाँ सरकार द्वारा परिचालन एजेंसी को नि: शुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाता है: -
  - फर्नीचर और फक्स्चर की प्रतिपूर्ति के लए 1 लाख रुपये
  - शुरुआत में मुफ्त दवाओं के जरिए 1 लाख रुपये
  - कंप्यूटर, इंटरनेट, प्रंटर, स्कैनर, आदि के लए प्रतिपूर्ति के रूप में 0.50 लाख रुपये।
- निजी परिसरों में कसी भी वैयक्तिक उद्य मयों द्वारा खोले गए जनऔष ध केंद्र की मा सक खरीद के 15% के प्रोत्साहन के साथ 10,000/- रुपये प्रति माह की सीमा को 2.5 लाख रुपये की कुल सीमा तक बढ़ाया जाता है। वैयक्तिक एससी/एसटी और नि:शक्तजन उद्य मयों को अ ग्रम में 50,000/- रुपये की दवाइयां प्रदान की जाती हैं।
- पूर्वोत्तर राज्यों के लए, नक्सल प्रभा वत क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों के लए, प्रोत्साहन की दर 15% होगी जिसकी प्रतिमाह अ धकतम सीमा 15,000/- रुपये से 2.5 लाख रुपये तक होगी।
- जनऔष ध दवाओं का मूल्य खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाओं के मूल्य की तुलना में 50% -90% कम होता है।
- उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लए वश्व स्वास्थ्य संगठन-अच्छा वनिर्माण पद्धतियां (डब्ल्यूएचओ-जीएमपी) प्रमा णत आपूर्तिकर्ताओं से ही दवाएं खरीदी जाती हैं।
- सर्वोत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लए 'राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल)' द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में दवा के प्रत्येक बैच का परीक्षण कया जाता है।

(ख): पीएमबीजेपी को भारतीय औषध पीएसयू ब्यूरो (बीपीपीआई) के माध्यम से कार्यान्वित कया जा रहा है, जो एक पंजीकृत सोसायटी है तथा औषध वभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करती है। बीपीपीआई औषध वभाग, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करने के साथ-साथ ही दवाओं की बिक्री से राजस्व भी अर्जित करता है।

(ग): पीएमबीजेपी की उत्पाद बास्केट में 854 दवाएं और 154 सर्जिकल और उपभोग्य सामग्री शा मल हैं, जो सभी प्रमुख च कत्सकीय समूहों जैसे क संक्रामक रोधी, एलर्जी रोधी, मधुमेह रोधी, का र्डियोवस्कुलर, कैंसर रोधी, गैस्ट्रो-आंतों की दवाओं आदि को कवर करती हैं।

(घ): औषध वभाग निय मत रूप से योजना का अनुवीक्षण और समीक्षा करता है।

(ङ): वर्तमान में, पीएमबीजेपी की दवा बास्केट में 854 दवाएं और 154 सर्जिकल और उपभोग्य वस्तुएं उपलब्ध हैं। प्रयास यह है क व भन्न बाजार रुझानों का वश्लेषण कया जाए और तदनुसार उत्पादों की बढ़ी हुई रेंज उपलब्ध कराई जाए। यह व भन्न हितधारकों और बाजार की मांगों की प्रति क्रया पर आधारित एक सतत प्र क्रया है। मार्च, 2020 तक इस बास्केट को 1200 दवाइयों और 200 सर्जिकल तक वस्तारित करने की योजना है।

(च) और (छ): जी, नहीं महोदय। बीपीपीआई के पास अपने निय मत वक्रेताओं के रूप में 150 से अ धक डब्ल्यूएचओ-जीएमपी प्रमा णत औषध कंपनियां हैं। दवाइयों और सर्जिकल खरीद के लए इनमें प्रतिष्ठित कंपनियां जैसे सप्ला, एबॉट, वॉकहार्ट, ज़ी लैबोरेट्रीज़, माइक्रो लैब, बायोकॉन आदि शा मल हैं। बीपीपीआई निय मत रूप से प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ बैठकें आयोजित करता है और उन्हें अपनी नि वदाओं में भाग लेने के लए आमंत्रित करता है।

*****